राजस्थान के रीति- रिवाज

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

विवाह से सम्बन्धित रीति-रिवाज

- **सगपण या टीका** (देवालिया)—सगाई की रस्म को **सगपण** या **टीका** कहते हैं। शेखावाटी क्षेत्र में सगाई से पूर्व '**रोका**' की रस्म भी होती है।
- **इकताई**—दर्जी द्वारा शुभ मुहूर्त्त में वर-वधू के कपड़ों का नाप लेना।
- **बान (पाट) बैठना**—विवाह से कुछ दिन पूर्व **वर** या **वधू को घी पिलाना**। (विवाह कार्यक्रमों का विधिवत् प्रारम्भ)
- **बरी (भरी) पड़ला**—वर पक्ष द्वारा वधू के लिए लाए गए वस्त्र, शृंगार सामग्री व आभूषण।
- **कांकण डोरा/डोरणा**—विवाह से पूर्व वर और वधू के दाहिने हाथ या पाँव में मौली के धागे में **कौड़ी, लाख, ताँबा, लोहा** व **लोंग** बाँधकर **सात गाँठें** लगाई जाती हैं।

सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए
राजस्थान क्लासेज

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

- **सामेला (मधुपर्क)**—बारात पहुँचने पर वधू पक्ष द्वारा बारातियों के स्वागत की रस्म।
- **हथलेवा (पाणिग्रहण)**—चँवरी में वधू का हाथ वर के हाथ में देना।
- **कन्यादान**—विवाह में माता-पिता व परिजनों द्वारा कन्या के लिए दी जाने वाली भेंट।
- **कन्यावल (अखनाल)**—वधू के माता व पिता, भाई आदि द्वारा विवाह के दिन उपवास रखकर कन्यादान के बाद भोजन करना।
- **बाला चूनड़ी**—मामा द्वारा वधू की माता के लिए लाई गई ओढ़नी।
- **कँवरजोड़**—मामा द्वारा वधू के लिए लाई गई ओढ़नी।
- **मूठ भराई**—बारातियों के बीच वर के सामने थाल में रुपये रखकर उसे मुट्ठी भर कलदार रुपये लेने को कहा जाता है।
- **टूँट्या**—बारात रवानगी के बाद वर के घर में स्त्रियों द्वारा स्वांग करना।

DAILY PDF के लिए JOIN कीजिए:-राजस्थान क्लासेज

DAILY PDF के लिए
JOIN कीजिए:-
RAJASTHAN CLASSES

Join us on Telegram

YouTube

Websites

कंप्यूटर की पीढ़ियां PDF DOWNLOAD

राजस्थान की नदियां PDF DOWNLOAD

मनोविज्ञान हस्तलिखित नोट्स DOWNLOAD

चौहान राजवंश PDF DOWNLOAD

गुर्जर प्रतिहार राजवंश PDF DOWNLOAD

मारवाड़ का राठौड़ वंश PDF DOWNLOAD

राजस्थान जीके ई-बुक PDF DOWNLOAD

राजस्थान जीके PDF DOWNLOAD

PTET 2015-2020 मॉडल पेपर DOWNLOAD

- **सीठणे**—वधू पक्ष की महिलाओं द्वारा बारातियों को गाये जाने वाले **गाली गीत** सीठणे कहलाते हैं।
- **कामण**—दूल्हे को बुरी नजर लगने से बचाने के लिए गाये जाने वाले गीत।
- **कोयलड़ी**—वधू की विदाई के समय गाये जाने वाले गीत।
- **समठुणी (पहरावणी)**—बारातियों को विदाई के समय वधू के पिता द्वारा दी गई भेंट को समठुणी कहते हैं। इसे **पहरावणी या रंगबरी** भी कहते हैं।
- **माण्डा झांकना/पाँवणचारी**—विवाह के बाद दूल्हे का प्रथम बार ससुराल आना।
- **कोथला**—विवाह के बाद जंवाई के आने पर वर-वधू को उपहार देकर विदा करना।
- **औणा या गौना (मुकलावा)**—बाल विवाह होने पर वधू के बालिग होने के बाद उसे ससुराल विदा करने की रस्म।
- **बढ़ार/नेतर**—विवाह के अवसर पर दिया जाने वाला सामूहिक प्रीतिभोज।
- **नेत**—विवाह के अवसर पर सामूहिक प्रीतिभोज रखने पर ग्रामीणों एवं सगे-संबंधियों द्वारा किया गया नकद योगदान।

सोलह संस्कार

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

- **गर्भाधान (गोद भराई)**—गर्भधारण की खुशी में उत्सव का आयोजन।
- **पुंसवन**—पुत्र की प्राप्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करना।
- **सीमन्तोन्नयन**—गर्भवती महिला को अमंगलकारी शक्तियों से बचाना।
- **जात कर्म**—शिशु के जन्म पर पिता द्वारा उसे शहद व घी चटाना।
- **नामकरण**—जन्म के नक्षत्रों के आधार पर शिशु का नाम रखना।
- **निष्क्रमण**—शिशु को पहली बार घर से बाहर निकालना।
- **अन्नप्राशन**—शिशु को पहली बार अन्न का आहार देना।
- **चूड़ाकर्म (झड़ूला उतारना)**—शिशु के पहली बार बाल मुंडवाना। राजस्थान में सामान्यत: **क्षेत्रपाल/भैंरूजी (खेतलाजी)** के थान/मंदिर पर चूड़ाकर्म (जातर/झड़ूला) किया जाता है।
- **कर्णबेध**—शिशु के कान बींधना।
- **विद्यारम्भ**—बालक के विद्यारंभ की शुरुआत करने का संस्कार।
- **उपनयन (यज्ञोपवीत)**—गुरु द्वारा शिष्य को ब्रह्म विद्या के लिए स्वीकार करना।
- **वेदारम्भ**—वेदों का अध्ययन शुरू करना।

- **केशान्त**—पहली बार दाढ़ी, मूँछ व केश मुंडवाना।
- **समावर्तन**—विद्याध्ययन पूर्ण करके घर लौटना।
- **विवाह/पाणिग्रहण**—गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करने का संस्कार।
- **अन्त्येष्टि (अंतिम संस्कार)**—मृत्योपरान्त दाह-संस्कार/समाधि।

शोक की रस्में

- **बैकुण्ठी**—शव को ले जाने के लिए लकड़ी की शैया/बैठक।
- **बखेर (उछाल)**—शवयात्रा में सिक्के उछालना।
- **दण्डोत**—बैकुण्ठी के आगे सम्बन्धियों द्वारा दण्डवत् प्रणाम करना।
- **आधेटा**—घर से शमशान की आधी दूरी के बाद विश्राम करके बैकुण्ठी की दिशा बदलना।
- **पानीवाड़ा**—दाह-संस्कार के उपरांत उसमें शामिल लोगों द्वारा स्नान करना।
- **सांतरवाड़ा**—मृत्यु के बारहवें दिन तक मृतक के घर सांत्वना देने जाना।
- **फूल-चुनना**—दाह-संस्कार के तीसरे दिन मृतक की अस्थियाँ चुनकर गंगा नदी/पुष्कर/अन्य पवित्र स्थान पर विसर्जित करना।
- **औसर**—जीवित व्यक्ति द्वारा स्वयं का मृत्युभोज करना।
- **मौसर (नुक्ता)**—मृत्यु के बारहवें दिन सामूहिक भोज देना।

अन्य रीति-रिवाज

- **नाता/नातरा प्रथा**—जीवित पति को त्यागकर या पति की मृत्यु होने पर किसी दूसरे पुरुष को पति बना लेने की आदिवासियों एवं अन्य जातियों में प्रचलित प्रथा।
- **दापा**—आदिवासी समाज में भगाकर लाई गई युवती के पिता को वधू मूल्य चुकाकर विधिवत् विवाह करना।
- **चारी प्रथा**—खैराड़ क्षेत्र (भीलवाड़ा) में वर पक्ष द्वारा वधू के पिता को दहेज की तरह नकद राशि (वधू मूल्य) देना।
- **नांगल**—नये घर के उद्घाटन (गृहप्रवेश) की रस्म।
- **डावरिया (डावड़ी)**—राजाओं, सामन्तों द्वारा पुत्री को दहेज में कुंवारी कन्या (दासी) देना।
- **मौताणा**—हत्या के मामले में आरोपी से हर्जाना वसूलना।
- **चढ़ोतरा**—हत्या के आरोपी द्वारा हर्जाना नहीं देने पर आदिवासियों द्वारा आरोपी परिवार पर तीर-कमान, लाठी-भाले, तलवारें इत्यादि हथियार लेकर सामूहिक हमला करना।

आदर्श कुमावत (राजस्थान क्लासेज)

सामान्य ज्ञान
5000+ प्रश्न
For All Exam's
Free Download

SSC Exam's
CGL-CHSL-MTS-GD
Top Questions

राजस्थान सामान्य ज्ञान
हस्तलिखित नोट्स
निशुल्क डाउनलोड

Latest Job's Update
See All Update
Exam Date News

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AIL Exam's

PTET 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

BSTC 2022
Complete Course
यहां से डाउनलोड करें

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल
Complete Course
~~301/-~~ Now Free

भारत सामान्य ज्ञान
सम्पूर्ण टेस्ट क्विज
अपनी तैयारी को परखें

वनरक्षक वनपाल
सम्पूर्ण कोर्स
अब वर्दी लेना तय

टॉप 1000 प्रश्न
ई - बुक सामान्य ज्ञान
डाउनलोड करलो

PTET GK QUESTIONS-1 CLICK करें

PTET GK QUESTIONS-2 CLICK करें

PTET GK QUESTIONS-3 CLICK करें

PTET GK QUESTIONS-4 CLICK करें

PTET GK PDF- 1 CLICK करें

PTET GK PDF- 2 CLICK करें

PTET, BSTC GK PDF- 1 CLICK करें

PTET, BSTC GK PDF- 2 CLICK करें

Join us on Telegram

YouTube

Websites